Indigo

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» Introduction to Louis Fischer and the Indigo Context

प्रश्न 1 (आसान). What was Louis Fischer's profession?

उत्तर – Journalist and author.

प्रश्न 2 (आसान). In which year did Gandhi decide to 'urge the departure of the British'?

उत्तर – 1917.

प्रश्न 3 (मध्यम). Who was Rajkumar Shukla and from where did he come to meet Gandhi?

उत्तर – Rajkumar Shukla was a poor sharecropper (peasant) from Champaran.

प्रश्न 4 (कठिन). Why was the Champaran incident significant in India's freedom struggle, as per the introduction?

उत्तर – It was a pivotal moment where Gandhi first decided to challenge British rule directly, initiating the movement to 'urge the departure of the British', thus setting a new direction for India's independence.

» Rajkumar Shukla and the Call to Champaran

प्रश्न 5 (आसान). Who was Rajkumar Shukla?

उत्तर – He was a poor, illiterate sharecropper from Champaran.

प्रश्न 6 (आसान). What was Rajkumar Shukla's main goal?

उत्तर – His main goal was to get Gandhi's help to fight the injustice of the landlord system in Champaran.

प्रश्न 7 (मध्यम). What two qualities of Rajkumar Shukla particularly impressed Gandhi?

उत्तर – Gandhi was impressed by Shukla's 'tenacity' (his persistence) and his 'story' (the plight of the Champaran peasants).

प्रश्न 8 (कठिन). How did Rajkumar Shukla convince Gandhi to visit Champaran, despite Gandhi's initial reluctance?

उत्तर – Despite Gandhi's busy schedule and initial unfamiliarity with Champaran, Shukla's unwavering persistence - following Gandhi from place to place for weeks, begging for a fixed date - ultimately demonstrated his resolute nature and the urgency of the cause, compelling Gandhi to agree to visit Champaran.

» Gandhi's Initial Investigation in Muzzafarpur

प्रश्न 9 (आसान). Where did Gandhi go first before Champaran?

उत्तर – Muzzaffarpur

प्रश्न 10 (आसान). With whom did Gandhi stay in Muzzaffarpur?

उत्तर – Professor Malkani

प्रश्न 11 (मध्यम). Why was Professor Malkani's act of hosting Gandhi considered 'extraordinary'?
उत्तर – Because he was a government professor, and in those days, Indians were afraid to show sympathy for 'home-rule' advocates like Gandhi.

प्रश्न 12 (कठिन). How did the news of Gandhi's arrival impact the local people in Muzzaffarpur and Champaran?
उत्तर – The news spread quickly, and sharecroppers from Champaran began arriving on foot and by conveyance to see their 'champion', showing a budding sense of hope and solidarity.

» The Exploitative Indigo Sharecropping System

प्रश्न 13 (आसान). चंपारण में ज़मीन के कितने प्रतिशत हिस्से पर नील उगाई जाती थी?
उत्तर – 15 प्रतिशत या 'three twentieths' हिस्से पर।

प्रश्न 14 (आसान). किसान नील की फसल का क्या करते थे?
उत्तर – वे पूरी नील की फसल किराए के रूप में ज़मींदारों को 'surrender' कर देते थे।

प्रश्न 15 (मध्यम). जब 'synthetic indigo' बनी, तो ज़मींदारों ने किसानों से क्या मांग की?
उत्तर – ज़मींदारों ने किसानों से 15% व्यवस्था से मुक्ति पाने के लिए 'compensation' (मुआवज़ा) मांगा।

प्रश्न 16 (कठिन). चंपारण के किसानों के लिए 'sharecropping arrangement' क्यों 'irksome' था?
उत्तर – यह 'irksome' (परेशान करने वाला) था क्योंकि उन्हें मजबूरन नील उगानी पड़ती थी, उन्हें अपनी मेहनत का कोई फल नहीं मिलता था, और बाद में मुक्ति के लिए भी पैसे देने पड़ते थे, जो सरासर अन्याय था।

» Gandhi's Confrontation with Authorities and Defiance

प्रश्न 17 (आसान). What was the initial reaction of the British official commissioner to Gandhi's presence?
उत्तर – The commissioner proceeded to bully Gandhi and advised him to leave Tirhut immediately.

प्रश्न 18 (आसान). Did Gandhi comply with the commissioner's advice to leave Tirhut?
उत्तर – No, Gandhi did not leave; instead, he proceeded to Motihari.

प्रश्न 19 (मध्यम). What official document did Gandhi receive, and what was his response to it?
उत्तर – Gandhi received an official notice to quit Champaran immediately. He signed a receipt for it and wrote on it that he would disobey the order.

प्रश्न 20 (कठिन). How did Gandhi's defiance of the official order impact his immediate future in Champaran?
उत्तर – Gandhi's defiance led to him receiving a summons to appear in court the next day, escalating his confrontation with the authorities.

» The Motihari Trial and Mass Mobilization

प्रश्न 21 (आसान). Motihari में किसानों की भीड़ क्यों जमा हुई थी?
उत्तर – किसान गांधीजी के समर्थन में जमा हुए थे क्योंकि उन्हें लगा था कि 'Mahatma who wanted to help them was in trouble'.

प्रश्न 22 (आसान). गांधीजी ने कोर्ट में कौन सा बयान पढ़ा?
उत्तर – गांधीजी ने एक बयान पढ़ा जिसमें उन्होंने 'pleading guilty' कहा, लेकिन अपने कर्तव्यों के संघर्ष को समझाया।

प्रश्न 23 (मध्यम). 'The judge released him without bail' - इस घटना का क्या महत्व था?
उत्तर – यह घटना बहुत महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह 'Civil disobedience had triumphed, the first time in modern India' - आधुनिक भारत में सविनय अवज्ञा की पहली जीत थी।

प्रश्न 24 (कठिन). गांधीजी के 'conflict of duties' बयान में कौन से दो कर्तव्य टकरा रहे थे और उन्होंने किस कर्तव्य को चुना?
उत्तर – दो कर्तव्य थे: 'not to set a bad example as a lawbreaker' और 'to render the humanitarian and national service'. उन्होंने मानवीय और राष्ट्रीय सेवा के कर्तव्य को चुना, जो उनके ज़मीर की आवाज़ थी।

» Lawyers' Pledge and Triumph of Civil Disobedience

प्रश्न 25 (आसान). गांधीजी ने किसे टेलीग्राम भेजा था ताकि वह 'influential friends' के साथ आए?
उत्तर – गांधीजी ने राजेंद्र प्रसाद को टेलीग्राम भेजा था।

प्रश्न 26 (आसान). वकीलों ने शुरू में क्या सोचा था जब गांधीजी ने उनसे जेल जाने की बात कही?
उत्तर – वकीलों ने शुरू में सोचा था कि अगर गांधीजी जेल जाते हैं तो उन्हें सलाह देने वाला कोई नहीं रहेगा और वे घर चले जाएंगे।

प्रश्न 27 (मध्यम). गांधीजी ने किस घोषणा के साथ 'The battle of Champaran is won!' कहा था?
उत्तर – गांधीजी ने यह घोषणा तब की जब सभी वकीलों ने यह प्रतिज्ञा ली कि वे गांधीजी के पीछे-पीछे जेल जाएंगे, अगर उन्हें सजा होती है।

प्रश्न 28 (कठिन). इस घटना को 'triumph of civil disobedience' क्यों कहा गया है? समझाओ।
उत्तर – इसे 'triumph of civil disobedience' इसलिए कहा गया क्योंकि गांधीजी के कहने पर इतने बड़े-बड़े वकील जेल जाने को तैयार हो गए, जिससे ब्रिटिश सरकार पर दबाव बढ़ा। इसके परिणामस्वरूप गांधीजी पर लगा मुकदमा वापस ले लिया गया, जो दर्शाता है कि अहिंसक विरोध और जन एकता की शक्ति ने ब्रिटिश अधिकारियों को झुकने पर मजबूर कर दिया।

» The Inquiry Commission and Refund Settlement

प्रश्न 29 (आसान). What was the purpose of the 'official commission of inquiry'?
उत्तर – The purpose was to inquire into the indigo sharecroppers' situation.

प्रश्न 30 (आसान). Who represented the peasants in the commission?
उत्तर – Gandhi was the sole representative of the peasants.

प्रश्न 31 (मध्यम). What was the 'crushing mountain of evidence' against the planters?
उत्तर – It referred to the overwhelming and solid proof gathered during the inquiry that showed the big planters had exploited the sharecroppers.

प्रश्न 32 (कठिन). How did the refund settlement ultimately empower the peasants, even though it was only 25%?
उत्तर – The settlement empowered peasants not just by returning money, but by breaking the planters' prestige, showing peasants they had rights and defenders, and making them learn courage. It changed their mindset from fear to self-reliance.

» Social and Cultural Reform in Champaran

प्रश्न 33 (आसान). गांधीजी ने चंपारण में कितने गाँवों में प्राथमिक विद्यालय खोले?
उत्तर – छह गाँवों में।

प्रश्न 34 (आसान). कस्तूरबा ने चंपारण के लोगों को क्या सिखाया?
उत्तर – व्यक्तिगत स्वच्छता और सामुदायिक सफाई के आश्रम के नियम।

प्रश्न 35 (मध्यम). स्वास्थ्य सुधार के लिए गांधीजी ने कौन-कौन सी तीन मुख्य दवाइयों का उपयोग किया?
उत्तर – अरंडी का तेल (castor oil), कुनैन (quinine) और सल्फर का मरहम (sulphur ointment)।

प्रश्न 36 (कठिन). चंपारण में गांधीजी के लिए आर्थिक जीत से आगे सामाजिक और सांस्कृतिक सुधार क्यों महत्वपूर्ण थे?
उत्तर – गांधीजी का लक्ष्य सिर्फ किसानों को आर्थिक राहत दिलाना नहीं था, बल्कि उन्हें 'self-reliant' (आत्मनिर्भर) बनाना और उनके जीवन के समग्र विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में सुधार करना भी था।

» Champaran: A Turning Point and the Lesson of Self-Reliance

प्रश्न 37 (आसान). गांधीजी ने चंपारण के बारे में खुद क्या कहा था कि यह एक 'very ordinary thing' थी?
उत्तर – उन्होंने कहा कि उन्होंने सिर्फ यह घोषित किया था कि 'the British could not order me about in my own country'।

प्रश्न 38 (आसान). गांधीजी ने क्यों कहा कि वकील दोस्तों की एंड्रयूज से मदद मांगने की इच्छा उनके 'heart' की 'weakness' दखिाती है?
उत्तर – क्योंकि गांधीजी चाहते थे कि भारतीय खुद पर भरोसा करें, किसी अंग्रेज पर नहीं, चाहे 'cause is just' ही क्यों न हो।

प्रश्न 39 (मध्यम). चंपारण की घटना को गांधीजी के जीवन में 'turning point' क्यों माना गया? इसके पीछे की दो मुख्य वजहें बताओ।
उत्तर – चंपारण ने दिखाया कि गांधीजी की 'politics were intertwined with the practical, day-to-day problems of the millions' और उनकी 'loyalty to living, human beings' थी, न कि सिर्फ 'abstractions' के प्रति। साथ ही, इससे उन्होंने भारतीयों को 'self-reliance' का महत्वपूर्ण पाठ सिखाया, जो आज़ादी के लिए ज़रूरी था।

प्रश्न 40 (कठिन). गांधीजी के 'self-reliance' के सिद्धांत को आज़ादी, भारत और बटाईदारों की मदद से कैसे जोड़ा गया था? समझाओ।
उत्तर – गांधीजी के लिए, 'Self-reliance, Indian independence and help to sharecroppers were all bound together.' इसका मतलब था कि बटाईदारों को अपने अधिकारों के लिए लड़ने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करना, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक अभिन्न हिस्सा था। आत्मनिर्भरता से ही देश स्वतंत्र हो सकता था और लोग अपने हकों के लिए खड़े हो सकते थे, बाहरी सहारे के बिना।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. Who was Louis Fischer and what was his connection to the chapter 'Indigo'?

› Identify Louis Fischer as the author of the book from which the chapter is taken.
› Mention his profession as a journalist and his notable work on Mahatma Gandhi.
› Explain that the chapter 'Indigo' is an excerpt from his book 'The Life of Mahatma Gandhi'.

उत्तर – Louis Fischer was an American journalist and author. He wrote 'The Life of Mahatma Gandhi', and the chapter 'Indigo' is an excerpt from this very influential book, detailing Gandhi's Champaran movement.

उदाहरण 2. Describe Rajkumar Shukla's key qualities and his role in bringing Gandhi to Champaran.

› First, identify Rajkumar Shukla's background: 'a peasant...poor and emaciated...sharecropper.'

› Next, note his personality traits: 'illiterate but resolute.'

› Then, explain his mission: 'to complain about the injustice of the landlord system in Bihar.'

› Finally, detail his actions: 'accompanied him everywhere,' 'never left Gandhi's side for weeks,' 'begged for a date,' and 'sat on his haunches at the appointed spot in Calcutta' proving his 'tenacity' which 'impressed Gandhi' and led Gandhi to agree to visit Champaran.

उत्तर – Rajkumar Shukla was a poor, emaciated, illiterate, but resolute sharecropper from Champaran. He came to the Congress session to complain about the injustice of the landlord system. Through his persistent efforts, following Gandhi everywhere and begging for a date, he impressed Gandhi with his tenacity and convinced him to visit Champaran to help the peasants.

उदाहरण 3. Why did Gandhi choose Muzzafarpur as his first stop before going to Champaran, and with whom did he stay there?

› गांधीजी को राजकुमार शुक्ला से मिली जानकारी अधूरी लगी, इसलिए उन्हें लगा कि 'more complete information' चाहिए।

› मुजफ्फरपुर चंपारण के रास्ते में ही पड़ता था और वहां 'conditions' के बारे में ज़्यादा जानकारी मिल सकती थी।

› उन्होंने प्रोफेसर जे.बी. कृपलानी को तार भेजा, जो शांतिनिकेतन में उनसे मिल चुके थे।

› गांधीजी दो दिन तक प्रोफेसर मलकानी के घर रुके, जो एक 'government school' में अध्यापक थे।

› यह सरकारी अध्यापक का गांधीजी जैसे 'home-rule' समर्थक को पनाह देना 'extraordinary' बात थी उन दिनों में।

उत्तर – Gandhi chose Muzzaffarpur to gather more complete information about the sharecroppers' conditions before proceeding to Champaran. He stayed for two days with Professor Malkani, a government school teacher.

उदाहरण 4. चंपारण में नील की खेती की कौन सी व्यवस्था किसानों के लिए शोषणकारी थी और बाद में इसमें क्या बदलाव आया जिसने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दीं?

› पहला शोषण था 'long-term contract' जिसके तहत किसानों को अपनी 15% ज़मीन पर नील उगाना पड़ता था।

› दूसरा, उन्हें पूरी नील की फसल किराए के रूप में ज़मींदारों को 'surrender' करनी पड़ती थी, यानी उन्हें अपनी मेहनत का फल नहीं मिलता था।

› तीसरा, जब जर्मनी ने 'synthetic indigo' बना ली, तो प्राकृतिक नील की मांग कम हो गई।

› चौथा, ज़मींदारों ने किसानों से 15% की व्यवस्था से मुक्ति देने के लिए 'compensation' (मुआवज़ा) मांगना शुरू कर दिया, जिससे किसानों का शोषण और बढ़ गया।

उत्तर – चंपारण में नील की 'sharecropping' व्यवस्था किसानों के लिए अत्यधिक शोषणकारी थी क्योंकि उन्हें अपनी ज़मीन के 15% हिस्से पर नील उगाना पड़ता था और पूरी फसल ज़मींदारों को किराए के तौर पर देनी होती थी। बाद में, जब जर्मनी में सिंथेटिक नील विकसित हुई, तो ज़मींदारों ने किसानों से इस व्यवस्था से मुक्ति के लिए मुआवज़ा मांगकर उनकी समस्याएँ और बढ़ा दीं।

उदाहरण 5. गांधीजी को किस ब्रिटिश अधिकारी ने धमकाया और क्या करने को कहा? गांधीजी ने उस आदेश पर क्या प्रतिक्रिया दी?

› पाठ से पता चलता है कि गांधीजी 'the British official commissioner of the Tirhut division' से मिले।

› कमिश्नर ने गांधीजी को 'bully' किया और उन्हें 'advised me forthwith to leave Tirhut' कहा।

› गांधीजी ने इस आदेश का पालन नहीं किया। किताब कहती है, 'Gandhi did not leave.'

› बल्कि, जब उन्हें 'an official notice to quit Champaran immediately' मिला, तो 'Gandhi signed a receipt for the notice and wrote on it that he would disobey the order'.

उत्तर – गांधीजी को तिरहुत डिविजन के ब्रिटिश कमिश्नर ने धमकाया और तिरहुत छोड़कर जाने को कहा। गांधीजी ने इस आदेश को मानने से इनकार कर दिया और इस पर 'disobey' लिख दिया।

उदाहरण 6. गांधीजी ने कोर्ट में अपने 'conflict of duties' बयान से क्या दर्शाया?

› पहला कर्तव्य था कि वह 'not set a bad example as a lawbreaker', यानी कानून तोड़ने वाले का गलत उदाहरण न बनें।

› दूसरा कर्तव्य था 'to render the humanitarian and national service', यानी वह मानवीय और राष्ट्रीय सेवा करें, जिसके लिए वह चंपारण आए थे।

› उन्होंने आदेश का पालन नहीं किया 'not for want of respect for lawful authority', बल्कि अपने 'higher law of our being, the voice of conscience' के कारण।

› इससे उन्होंने यह दर्शाया कि कुछ कर्तव्य कानून से भी ऊपर होते हैं, खासकर जब वह लोगों की भलाई से जुड़े हों।

उत्तर – गांधीजी ने 'conflict of duties' बयान से यह दर्शाया कि उनके लिए मानवता और राष्ट्र सेवा का कर्तव्य, ब्रिटिश सरकार के आदेश का पालन करने से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण था, और उन्होंने अपने अंतर्मन की आवाज़ को प्राथमिकता दी।

उदाहरण 7. गांधीजी ने वकीलों से क्या सवाल पूछा, जिसके बाद उन्होंने जेल जाने का फैसला किया?

› गांधीजी ने वकीलों से पूछा, 'What would they do if he was sentenced to prison?'

› वकीलों ने शुरू में अपनी वापसी के बारे में सोचा, क्योंकि उन्हें लगा गांधीजी के बिना उन्हें सलाह कौन देगा।

› गांधीजी ने उन्हें 'the injustice to the sharecroppers was greater than their own predicament' – यह बात समझाई, जिससे उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ।

› सभी वकीलों ने मिलकर फैसला किया, 'They would follow Gandhi into jail.'

› इसी फैसले के बाद गांधीजी ने कहा, 'The battle of Champaran is won!'

› नतीजतन, अंग्रेज अधिकारियों ने गांधीजी पर लगाया गया मुकदमा वापस ले लिया।

उत्तर – गांधीजी ने वकीलों से पूछा कि अगर उन्हें जेल हो जाती है तो वे क्या करेंगे, जिसके बाद वकीलों ने किसानों के प्रति अन्याय को अपनी व्यक्तिगत मुश्किल से बड़ा मानते हुए गांधीजी के साथ जेल जाने का फैसला किया।

उदाहरण 8. Explain why Gandhi settled for a 25% refund instead of the 50% he initially demanded from the planters.

› First, Gandhi 'demanded 50 per cent' because the planters had illegally extorted money from the sharecroppers.

› The planters, hoping he would not give way on 50%, offered 'to refund to the extent of 25 per cent'.

› Gandhi 'took him at his word', accepting the 25% offer.

› Gandhi's explanation was that 'the amount of the refund was less important than the fact that the landlords had been obliged to surrender part of the money and, with it, part of their prestige'.

› This settlement broke the 'deadlock' and, more importantly, instilled 'courage' in the peasants, making them aware of their 'rights and defenders'.

उत्तर – Gandhi settled for a 25% refund because his primary goal was not just monetary gain, but to break the planters' arrogance and instill courage and awareness of rights among the peasants, which the 25% refund successfully achieved.

उदाहरण 9. चंपारण में गांधीजी ने सामाजिक और सांस्कृतिक सुधार के लिए कौन से महत्वपूर्ण कदम उठाए?

› गांधीजी ने देखा कि चंपारण के गाँवों में 'cultural and social backwardness' है, यानी शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति बहुत खराब है।

› उन्होंने 'He appealed for teachers' और कई स्वयंसेवकों की मदद से 'primary schools were opened in six villages' यानी छह गाँवों में प्राथमिक विद्यालय खोले।

› उनकी पत्नी कस्तूरबा ने 'taught the ashram rules on personal cleanliness and community sanitation' यानी व्यक्तिगत स्वच्छता और सामुदायिक सफाई के बारे में सिखाया।

› स्वास्थ्य की 'miserable' स्थिति को देखते हुए, उन्होंने 'got a doctor to volunteer his services for six months' और केवल 'castor oil, quinine and sulphur ointment' जैसी तीन बुनियादी दवाइयों से लोगों का इलाज

करवाया।

› उन्होंने 'filthy state of women's clothes' पर भी ध्यान दिया और कस्तूरबा के माध्यम से महिलाओं की कपड़ों की समस्या को समझा और हल करने का प्रयास किया।

उत्तर – गांधीजी ने चंपारण में शिक्षा के लिए स्कूल खोले, कस्तूरबा के माध्यम से स्वच्छता सिखाई, स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कीं (एक डॉक्टर की मदद से और बुनियादी दवाइयों से), और महिलाओं के कपड़ों की समस्या पर भी ध्यान दिया, जिससे सामाजिक और सांस्कृतिक सुधार हुए।

उदाहरण 10. चंपारण ने गांधीजी के जीवन को कैसे 'turning point' बनाया और उन्होंने 'self-reliance' का क्या पाठ पढ़ाया?

› सबसे पहले, समझाओ कि चंपारण ने गांधीजी को एक 'ordinary thing' करने का मौका दिया - अंग्रेजों को अपने देश में 'order me about' करने से रोकना।

› फिर बताओ कि यह सिर्फ एक 'act of defiance' नहीं था, बल्कि 'alleviate the distress of large numbers of poor peasants' के लिए एक 'practical, day-to-day problem' का हल था।

› इसके बाद, एंड्रयूज के उदाहरण से 'self-reliance' के पाठ को समझाओ - गांधीजी ने क्यों कहा 'weakness of your heart' और 'rely upon yourselves to win the battle'।

उत्तर – चंपारण गांधीजी के जीवन में एक 'turning point' था क्योंकि इसने उनकी राजनीतिक शैली को उजागर किया, जहाँ उनकी 'politics were intertwined with the practical, day-to-day problems of the millions' और 'loyalty to living, human beings' थी। उन्होंने 'self-reliance' का पाठ सिखाया जब उन्होंने एंड्रयूज की मदद लेने से इनकार किया, यह समझाते हुए कि 'you must rely upon yourselves to win the battle' और बाहरी सहारे पर निर्भरता 'weakness of your heart' दर्शाती है। इस प्रकार, उन्होंने भारत की आज़ादी के लिए आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास के महत्व पर जोर दिया।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह चैप्टर बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत ज़रूरी है, खासकर Gandhi's early activism और Champaran movement पर आधारित सवाल सीधे आते हैं।

• Rajkumar Shukla के 'illiterate but resolute' वाले गुण को हमेशा याद रखना और उसे अपने उत्तर में ज़रूर लिखना। यह उसकी सबसे खास पहचान है।

• यह सवाल बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है कि गांधीजी चंपारण से पहले मुजफ्फरपुर क्यों गए, और उनके वहां रुकने का क्या महत्व था।

• चंपारण में नील की खेती से संबंधित 'long-term contract', 'synthetic indigo' और 'compensation' जैसे शब्दों का सही इस्तेमाल आपके उत्तर को मजबूत बनाएगा।

• गांधीजी के 'disobedience' और 'confrontation' वाले हिस्से को ध्यान से पढ़ना, क्योंकि यह उनके सत्याग्रह के मूल सिद्धांतों को दर्शाता है और अक्सर बोर्ड परीक्षा में पूछा जाता है।

• गांधीजी के 'conflict of duties' वाले बयान का पूरा अर्थ और उसके महत्व को परीक्षा के लिए अच्छे से तैयार करें; यह एक महत्वपूर्ण 'long answer' प्रश्न बन सकता है।

• यह भाग 'Lawyers' Pledge' और 'Triumph of Civil Disobedience' पर सीधे सवाल बनकर आता है। वकीलों के नाम और गांधीजी के 'The battle of Champaran is won!' वाले कथन को याद रखना।

• यह हिस्सा बोर्ड एग्ज़ाम के लिए बहुत ज़रूरी है। गांधीजी के 'negotiation strategy' और 'impact on peasants' पर आधारित प्रश्न अक्सर आते हैं।

• इस भाग से अक्सर गांधीजी के 'holistic approach' (समग्र दृष्टिकोण) पर प्रश्न आते हैं, जहाँ पूछा जाता है कि उन्होंने सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक बदलावों पर भी क्यों ध्यान दिया।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है कि 'Champaran' कैसे 'turning point' था और 'self-reliance' का क्या महत्व था। गांधीजी के कथन और एंड्रयूज वाले प्रसंग का उल्लेख करना न भूलें।

एक नज़र में रिवीज़न

› Louis Fischer: Author of 'The Life of Mahatma Gandhi'. Champaran (1917) began Gandhi's anti-British stance.

› Rajkumar Shukla: resolute Champaran sharecropper, convinced Gandhi through persistence.

› Gandhi went to Muzzaffarpur first for info; stayed with Prof. Malkani.

› Tenants forced to plant 15% indigo, surrender harvest, later pay compensation for release.

› Gandhi's defiance: refused to leave Tirhut, disobeyed quit order, faced court summons.

› Motihari trial: Mass mobilization, Gandhi's 'conflict of duties', released without bail.

› वकीलों की प्रतिज्ञा, गांधीजी का नेतृत्व, और मुकदमे का वापस लेना – चंपारण में 'civil disobedience' की जीत।

› Commission formed; Gandhi got 25% refund from planters; peasants gained courage.

› गांधीजी ने चंपारण में स्कूल खोले, स्वच्छता सिखाई, स्वास्थ्य सुधारा - आत्मनिर्भरता पर जोर।

› Champaran: Turning point, practical politics, self-reliance lesson.